जिला झज्जर– एक झलक

जिला झज्जर का उदय हरियाणा के मानचित्र पर 15 जुलाई, 1997 को हुआ। इससे पूर्व यह क्षेत्र जिला रोहतक का भाग था। यद्यपि यह जिला दिल्ली से सटा हुआ है फिर भी राज्य के सबसे कम शहरीकृत जिलों में से एक है। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि–आधारित है। दिल्ली से सटे होने के कारण इसके प्रमुख शहर बहादुरगढ में बहुत बड़ी संख्या में औद्योगिक ईकाइयां स्थापित हुई हैं। जिले की कुल जनसंख्या जनगणना 2001 के अनुसार 880072 है जिसका 77.83 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्र में रहता है। जिले का कुल क्षेत्रफल 1983.90 वर्ग किलोमीटर है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का 4.50 प्रतिशत है तथा जनसंख्या का घनत्व 447 प्रति वर्ग किलोमीटर है। जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था तीव्रता से मिश्रित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो रही है। जिला झज्जर में **दो उप–मण्डल**– झज्जर व बहादुरगढ़,, **तीन तहसील**–झज्जर, बेरी व बहादुरगढ़ **एक उप–तहसील**–मातनहेल, **पांच विकास खण्ड**– झज्जर, बेरी, मातनहेल, साहलावास व बहादुरगढ, **दो नगरपालिकाएं**– झज्जर व बेरी तथा **एक नगर परिषद**– बहादुरगढ़ है। जिला झज्जर में **कुल 260 गॉंव** तथा **244 ग्राम पंचायतें** हैं। जिले में **पांच पंचायत समितियां** तथा **एक जिला परिषद** कार्यरत है। झज्जर से 20 किलोमीटर दूर झज्जर कोसली रोड़ पर भिण्डावास झील स्थित है जिसे पक्षी विहार के नाम से जाना जाता है यह एक अच्छा पर्यटक स्थल है जहां पर विभिन्न प्रकार के पक्षियों की प्रजातियां मौसम के अनुसार देश–विदेश से आती रहती हैं।
जिला झज्जर में कुल 140 डाकघर तथा 4 रेलवे स्टेशन हैं। जिला मुख्यालय झज्जर को रेलवे लाईन से जुड़वाने के लिये हरियाणा सरकार निरन्तर प्रयासरत है। गत दिनों झज्जर को रेलवे लाईन से जोड़ने की घोषणा की गई है। यहां रेल सुविधा होने पर इस क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। जिला में कुल 921 किलोमीटर लम्बाई की सड़कें हैं। कुल 89 बैंक शाखाएं हैं जिनमें से 55 बैंक ग्रामीण क्षेत्रों मे तथा 34 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। जिला झज्जर बनने के बाद हरियाणा सरकार ने 1.4.2001 से झज्जर केन्द्रीय सहकारी बैंक की स्थापना की। इसका भवन 80.00 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अभी जिला मुख्यालय पर काफी सुविधाएं दी जानी अपेक्षित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों मे 2 हस्पताल 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 123 उप–स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित हैं। शहरी क्षेत्र में 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 28 आयुर्वेदिक डिस्पैन्सरियां और एक युनानी डिस्पैन्सरी ग्रामीण /शहरी क्षेत्रों में अपनी सवे ायें प्रदान कर रही हैं।

जिला झज्जर में 7 डिग्री कॉलेज, 60 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, 200 उच्च विद्यालय, 123 माध्यमिक स्कूल 565 प्राथमिक पाठशालाएं तथा 1 नवोदय विद्यालय हैं जिनमें वर्ष 2001–2002 के दौरान कुल 197674 छात्र–छात्राओं ने शिक्षा ग्रहण की। जनगणना 2001 के अनुसार जिले की 61.81 प्रतिशत जनसंख्या ही साक्षर है जिसे पूर्ण साक्षर करने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

जिला झज्जर में 34 पशु हस्पताल, 46 पशु डिस्पैन्सरी, 12 स्टोकमैन सैन्टर तथा 7 अन्य पशु चिकित्सा संस्थायें कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त एक मोबाईल डिस्पैन्सरी भी हैं जो दूर–दराज के क्षेत्रों में बीमार पशुओं के उपचार की सुविधाएं प्रदान करती है। इस जिले की मुर्रा नसल की भैंसे दुधारू पशुओं में देश भर में प्रसिद्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्र की जनता कृषि के साथ–साथ दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय से भी जुड़ी हुई है। जिले के दुग्ध उत्पादकों को दूध की अच्छी कीमत दिलाने के लिये सहकारी दुग्ध समितियां चलाई जा रही हैं तथा गांव मातनहेल में एक दुग्ध शीतकरण केन्द्र की भी स्थापना की गई है।

जिला झज्जर का कुल क्षेत्रफल 191000 हैक्टेयर है। जिसमें 1000 हैक्टेयर बंजर है तथा 21000 हैक्टेरयर गैरकृषि योग्य जमीन है। 4000 हैक्टेयर जमीन पर वन सम्पदा है। लगभग 146000 हैक्टेयर भूमि पर कृषि की जाती है। सिंचाई के लिये मुख्यतः नहर व टयूबवैल का प्रयोग किया जाता है। अधिकतर जमीन का पानी खारी है तथा जल स्तर काफी नीचा है।जल संग्रहण परियोजनाओं के माध्यम से भूमिगत जल की गुणवत्ता सुधारने एवं मात्रा बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा 74 जल संग्रहण विकास परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं। जिन पर कुल 20 करोड़ 15 लाख रूपये खर्च होंगे। जिला में मुख्यतः रबी की फसलें जिनमें गेहूँ, जौ, सरसों हैं तथा खरीफ फसलों में जवार, बाजरा, गवार और कुछ क्षेत्र में धान व गन्ने की कास्त की जाती हैं। भौगोलिक दृष्टि से जिले में रेतीली व बालू मिट्‌टी है तथा बहुत कम क्षेत्र में चिकनी तथा दोमट मिट्‌टी उपलब्ध है।

जिला झज्जर औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा घोषित है फलस्वरूप सरकार ने यहां उद्योग स्थापित करने के लिये विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दी हैं। दिल्ली के नजदीक होने के कारण बहादुरुरगढ़ कस्बा औद्यैद्योगिक मानचित्र पर तेजेजी से उभरा है तथा राष्ट्रीय राज मार्ग न0 10 पर विभिन्न प्रकार की औद्योगिक ईकाईयां बड़े पैमाने पर स्थापित हुई हैं। दिल्ली के समीप होने के कारण हरियाणा सरकार ने हुडडा के माध्यम से 497 एकड़ भूमि पर नया औद्यौगिक केन्द्र की मंजूरी दे दी है यह औद्योगिक क्षेत्र राष्ट्रीय राज मार्ग न0 10 के दोनो तरफ हरियाणा–दिल्ली सीमा के साथ स्थित है जिसमें 2322

इन्डस्ट्रियल प्लाट हैं। 120 करोड़ रूपये का सामान यहां से प्रत्येक वर्ष निर्यात किया जाता है तथा लगभग 20,000 लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है । बहादुरगढ़ में और नये उद्योग लगाने के लिये जल्द ही 1050 एकड़ भूमि अधिगृहित की जा रही है जिस पर दो अन्य औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जायेंगे। इस समय बहादुरगढ़ व इसके आस–पास 1530 लघु उद्योग ईकाइयां कार्य कर रही हैं जिनका कुल वार्षिक व्यापार 450 करोड़ रूपये का है।